द्वादश भागेषु विभनक्ति अयमेव कारणं षण्णानृतूनाम्, एष एवाडङ्गीकरीत्युत्तरं दक्षिणज्वायनम्, एनेनैव सम्पादिता युगभेदाः, एनेनेव कृताः कल्पभेदाः एनमेवाश्रित्य भवति परमेष्ठिनः परार्द्धसंख्या, असावेव चर्कति, बभर्ति जर्हति च जगत् ।

(ii) तस्मिन् पर्वते आसीदेको महाकन्दरः तस्मिन्नेव महामुनिरेकः समाधौ तिष्ठति स्म । कदा स समाधिमङ्गीकृतवानिति कोऽपिन वेत्ति । ग्रामणी ग्रामीण ग्रामाः समागत्य मध्ये मध्ये तं पूजयन्ति प्रणमन्ति स्तुवन्ति च । तं केचित् कपिल इति, इतरे लोमश इति इतरे जैगीषव्य इति ।

(iii) तदाकर्ण्य विविध भाव भङ्ग भासुर वदनो योगिराजो मुनिराजं तत्सहचरांश्च निपुणं निरीक्ष्य तेषामपि शिववीरान्तरङ्गतामङ्गीकृत्य 'विजयतां शिववीरः सिद्धयन्तु भवतां मनोरथाः' इति मन्दं व्याहार्षीत ।

No. of Printed Pages : 06 **Roll No. .....**

32204

B. A. & Hons. (Subsidiary)

EXAMINATION, 2025

(Fourth Semester)

(Re-appear Only)

SANSKRIT (ELECTIVE)

Time : 3 Hours] [*Maximum Marks :* 80

Before answering the question-paper, candidates must ensure that they have been supplied with correct and complete question-paper. No complaint, in this regard will be entertained after the examination.

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **8×2=16**

(i) कालिदास द्वारा विरचित महाकाव्यों के नाम लिखिए ।

(ii) राजा दिलीप ने नन्दिनी गाय से क्या वरदान माँगा ?

(iii) 'शिवराजविजयम्' के रचयिता का नाम लिखिए।

(iv) शिवाजी की क्या प्रतिज्ञा थी ?

(v) वाच्य से क्या अभिप्राय है ?

(vi) णिजन्त का प्रयोग किस प्रकार होता है ?

(vii) 'हनुमान्' शब्द में कौनसा प्रत्यय है ?

(viii) संयोग संज्ञा किसे कहते हैं ?

2. (i) अधोलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **2×5=10**

(क) एकातपत्रं जगतः प्रभुत्वं नवं वयः कान्तमिदं वपुश्च ।
अल्पस्य हेतोर्बहु हातुमिच्छन् विचारमूढ़ः प्रतिभाति मे त्वम् ॥

(ख) तस्याः खुरन्यासपवित्रपांसुमपांसुलानां धुरि कीर्तनीया ।
मार्गं मनुष्येश्वर धर्मपत्नी श्रुतेरिवार्थ स्मृतिरन्वगच्छात् ॥

(ग) व्रताय तेनानुचरेण धेनोः न्यषेधि शेषोऽप्यनुयायिवर्गः ।
न चान्यतस्तस्य शरीररक्षा स्ववीर्यगुप्ता हि मनोःप्रसूतिः ॥

(घ) इत्थं व्रतं धारयतः प्रजार्थं समं महिष्या महनीयकीर्तेः ।
सप्त व्यतीयुस्त्रिगुणानि तस्य दिनानि दीनोद्धरणोचितस्य ॥

(ii) 'रघुवंशम्' के द्वितीय सर्ग का सारांश लिखिए। **6**

अथवा

'रघुवंशम्' के द्वितीय सर्ग के आधार पर राजा दिलीप का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

3. (अ) अम्बिकादत्त व्यास विरचित शिवराजविजय के आधार पर **दो** गद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **2×5=10**

(i) अयमेव अहोरात्रं जनयति, अयमेव वत्सरं

(ब) अम्बिकादत्त व्यास कृत 'शिवराजविजयं' के प्रथम निःश्वास का सारांश लिखिए । **6**

अथवा

'शिवराजाविजयम्' के आधार पर गौरसिंह का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

4. (i) कर्तृवाच्य **अथवा** कर्मवाच्य का सोदाहरण विवेचन कीजिए । **5**

(ii) किन्हीं **पाँच** में तद्धित प्रत्यय लगाइये : **5×1=5**

शक्ति+मतुप्, समाज+ठक्, जन+तल्, विदेश+छ, लोभ-इनि, बल+मतुप्, संसार+ठक्, मनुष्य+त्व, गुरु+तल् ।

(iii) किन्हीं **छः** में णिच् व सन् प्रत्यय लगाकर लिखिए :

पठ्+सन्, भ्+णिच्, दा+सन्, गम्+णिच्, श्रु+णिच्, पा+सन्, कृ+सन्, स्था+णिच्, हन्+सन् । **6×1=6**

5. (अ) किन्हीं **दो** सूत्रों की सोदाहरण विवेचना कीजिए : **2×4=8**

हलन्त्यम्, तस्य लोपः, परः सन्निकर्ष संहिता सुप्तिङन्तं पदम् ।

(ब) किन्हीं **चार** का संस्कृत में अनुवाद लिखिए : **8×1=8**

(i) संस्कृत भाषा सभी भाषाओं की जननी है ।

(ii) महाविद्यालय के दोनों ओर वृक्ष हैं ।

(iii) शिव को नमस्कार ।

(iv) कालिदास एक महान् कवि था ।

(v) परिश्रम से कार्य सिद्ध होते हैं ।

(vi) तिलों में तेल होता है ।

(vii) अब शोर मत करो ।

(viii) सदा सत्य बोलो ।